राजस्थान जीत के साथ दूसरे स्थान पर

लखनऊ की टीम राजस्थान के लक्ष्य को नहीं पा सकी

लखनऊ 22 अप्रैल. लखनऊ सुपर जॉयंट्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच आईपीएल 2026 का 32वां मुकाबला बुधवार को खेला गया. जिसमें राजस्थान ने 40 रनों से जीत हासिल की और अंक तालिका में दूसरे पायदान पर कब्जा जमा लिया.

ये मैच लखनऊ के इकाना स्टेडियम में हुआ. जहां टॉस जीतकर लखनऊ ने पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था. राजस्थान की टीम ने जडेजा के नाबाद 43 रनों के दम पर 159 रन बनाए थे. इसके जवाब में लखनऊ की टीम 119 के स्कोर पर सिमट गई. 160 के

फ्लॉप रही दिग्गजों से सजी लखनऊ की टीम

जवाब में उतरी लखनऊ की शुरुआत बेहद खराब रही. पहले ही ओवर में आयुष बदोनी रन आउट हो गए. इसके बाद ऋषभ पंत बल्लेबाजी के लिए आए और बिना खाता खोले ही आउट हो गए. इसके बाद एडन मारक्रम भी खाता नहीं खोल सके. यानी लखनऊ के टॉप ऑर्डर के 3 बैटर खाता भी नहीं खोल सके. इसके बाद मिचेल मार्श ने फिफ्टी लगाई. लेकिन उनका विकेट गिरते ही लखनऊ बैकफुट पर आ गई. लखनऊ की पूरी टीम 119 पर ढेर हो गई. इस हार से लखनऊ अंक तालिका में 9वें स्थान पर आ गई है.

स्कोर बोर्ड

राजस्थान बल्लेबाजी खिलाड़ी	रन	गेंद	चौके	छक्के
यशस्वी जयसवाल	22	12	4	0
वैभव सूर्यवंशी	8	11	2	0
ध्रुव जुरेल	0	1	0	0
रियान पराग	20	19	2	1
शिम्रोन हेटमायर	22	18	2	1
रवीन्द्र जड़ेजा	43	29	2	1
डोनोवन फरेरा	20	19	2	0
शुभम दुबे	19	11	3	0

अतिरिक्त 5, **कुल** 20 ओवर में 159/6

लखनऊ गेंदबाजी- मोहम्मद शमी 4-0-30-2, प्रिंस यादव 4-0-29-2, मोहसिन खान 4-1-17-2, मयंक यादव 4-0-56-0, दिग्वेश राठी 4-0-26-0.

लखनऊ बल्लेबाजी खिलाड़ी	रन	गेंद	चौके	छक्के
मिचेल मार्श	55	41	6	2
आयुष बडोनी	0	1	0	0
ऋषभ पंत	0	3	0	0
एडेन मार्कराम	0	6	0	0
निकोलस पूरन	22	25	3	0
हिम्मत सिंह	15	15	0	1
मुकुल चौधरी	7	3	0	1
मोहम्मद शमी	6	4	0	1
मयंक यादव	5	5	1	0
दिग्वेश राठी	2	2	0	0
मोहसिन खान	0	3	0	0

अतिरिक्त 7,
कुल 18 ओवर में 119

गेंदबाजी- जोफ्रा आर्चर 4-1-20-3, नंद्रे बर्गर 4-0-27-2, ब्रिजेश शर्मा 3-0-18-2, रवीन्द्र जड़ेजा 4-0-29-1, रवि बिश्नोई 3-0-23-1.

कौन-सी टीम किस स्थान पर

क्र.	टीम	मैच	जीत	हार	नतीजा नहीं	अंक	रन रेट
1.	पीबीकेएस	6	5	0	1	11	+1.42
2.	आरआर	7	5	2		8	+0.79
3.	आरसीबी	6	4	2		8	+1.17
4.	हैदराबाद	7	4	3		8	+0.82
5.	डीसी	6	3	3		6	+0.13
6.	जीटी	6	3	3		6	-0.82
7.	एमआई	6	2	4		4	+0.06
8.	सीएसके	6	2	4		4	-0.78
9.	एलएसजी	7	2	5		4	-1.27

चेन्नई की बल्लेबाजी लगातार संघर्ष में

वानखेड़े में होने वाले हाई-वोल्टेज मुकाबले पर

मुंबई हालिया जीत के बाद आत्मविश्वास से भरपूर

मुंबई, 22 अप्रैल. आईपीएल के सबसे चर्चित मुकाबलों में से एक, मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच टक्कर एक बार फिर क्रिकेट प्रेमियों के उत्साह को चरम पर ले आई है. वानखेड़े स्टेडियम की चमकती रोशनी में होने वाला यह मुकाबला सिर्फ दो टीमों के बीच संघर्ष नहीं, बल्कि अनुभव, विरासत और बदलते दौर की कहानी भी बयां करता है.

इस मैच का सबसे बड़ा आकर्षण हैं महेंद्र सिंह धोनी, जिनकी मौजूदगी मात्र से मुकाबले का महत्व कई गुना बढ़ जाता है. हाल ही में उनकी लंबी बैटिंग प्रैक्टिस और विकेटकीपिंग सेशन ने यह संकेत दिया है कि वह किसी न किसी रूप में टीम की योजनाओं का हिस्सा हो सकते हैं. धोनी अब सिर्फ खिलाड़ी नहीं, बल्कि एक भावना बन चुके हैं, जो टीम और फैंस दोनों को ऊर्जा देते हैं. दूसरी ओर, चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के लिए यह सीजन चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है. टीम का टॉप ऑर्डर लगातार संघर्ष कर रहा है और बल्लेबाज़ी में स्थिरता की कमी साफ नजर आ रही है. बार-बार टीम संयोजन में बदलाव और चोटों ने भी सीएसके की मुश्किलें बढ़ा दी हैं. मुंबई इंडियंस आत्मविश्वास से भरी नजर आ रही है. हाल ही में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मिली जीत ने टीम को नई ऊर्जा दी है. इस मुकाबले में तिलक वर्मा ने शानदार शतक जड़कर मैच का रुख पलट दिया, जबकि अश्विनी कुमार ने गेंदबाज़ी में चार विकेट लेकर विरोधी टीम को झकझोर दिया.

> इस मुकाबले में जहां एक ओर चेन्नई अपनी खोई लय तलाशने उतरेगी, वहीं मुंबई अपनी जीत की रफ्तार को बरकरार रखने की कोशिश करेगी. लेकिन इन सबके बीच धोनी का प्रभाव सबसे अलग रहेगा—एक ऐसा प्रभाव जो आंकड़ों से परे है और जो हर बार इस मुकाबले को खास बना देता है.

गेंदबाज़ी में जसप्रीत बुमराह की वापसी ने मुंबई की ताकत को और बढ़ा दिया है. उनकी सटीक लाइन-लेंथ और दबाव बनाने की क्षमता टीम के लिए निर्णायक साबित हो सकती है.

एक नजर में

बिनू ने 9-अंडर 64 का जबरदस्त स्कोर बनाया

लुबुम्बाशी (कांगो). शौर्य बिनू, एक ऐसे अनोखे खिलाड़ी हैं जिन्होंने अपनी पढ़ाई और गोल्फ़ को बहुत अच्छे से साथ निभाया है. अफ्रीकन स्विंग में उनका प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है, पिछले दो हफ़्तों में वे टॉप-10 में जगह बनाने में कामयाब रहे हैं. उन्होंने अपनी इस शानदार लय को जारी रखते हुए दूसरे राउंड में 9-अंडर 64 का ज़बरदस्त स्कोर बनाया, जिससे वे एएम ग्रीन आईजीपीएल इंविटेशनल कांगो टूर्नामेंट में दो राउंड के बाद सीधे टॉप पर पहुँच गए. बिनू, जो जून में ही 22 साल के होंगे और कलिंगा यूनिवर्सिटी से की डिग्री कर रहे हैं, ने पार -73 गोल्फ़ क्लब लुबुम्बाशी में पहले राउंड में 1-अंडर 72 का स्कोर बनाया था. दूसरे राउंड में उन्होंने ज़बरदस्त प्रदर्शन करते हुए 9-अंडर का कार्ड बनाया और अब 36 होल के बाद उनका कुल स्कोर 10-अंडर है. उनके पास चार अन्य खिलाड़ियों पर दो शॉट की बढ़त है. उनके पीछे चल रहे चार खिलाड़ियों के ग्रुप में पहले राउंड के संयुक्त लीडर मन्नत बरार (67-71) और तुषार पन्नू (67-71), पिछले हफ़्ते के विजेता उदयन माने (70-68) और आर्यन रूपा आनंद (71-67) शामिल हैं; ये सभी खिलाड़ी दो दिनों के खेल के बाद 8-अंडर पर हैं.

श्रीलंका की महिला टीम ने सीरीज में बराबरी की

राजशाही. कप्तान चामरी अटापट्टू (तीन विकेट और 40 रन), हर्षिता समरविक्रमा (50) और हंसिमा करुणरत्ने (40) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका की महिला टीम ने बुधवार को दूसरे एक दिवसीय मुकाबले में बंगलादेश को 70 गेंदों शेष रहते चार विकेट से हरा दिया. इसी के साथ श्रीलंका ने तीन मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है. चामरी अटापट्टू को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला. आज यहां बंगलादेश की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. कप्तान चामरी अटापट्टू की अगुवाई में श्रीलंकाई गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बंगलादेश की पूरी टीम को 45 .5 ओवरों में 165 रन के स्कोर पर समेट दिया. कप्तान निगार सुल्ताना ने सर्वाधिक 58 रनों की पारी खेली. सरमिन सुल्ताना ने (25), नाहिदा अख्तर ने (20), रितु मोनी ने (17), शोर्ना अख्तर (16) और राबिया खान ने (15) रनों का योगदान दिया. शेष बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके. श्रीलंका महिला टीम की ओर से चामरी अटापट्टू ने तीन विकेट लिये. मल्की मदारा, निमाशा मीपेज और इनोका राणावीरा को दो-दो विकेट मिले. कविशा दिलहारी ने एक बल्लेबाज को आउट किया. इसके बाद बललेबाजी करने उतरी श्रीलंका ने 38 .2 ओवरों में विकेट छह पर 166 रन बनाकर मुकाबला चार विकेट से अपने नाम लिया. कप्तान चामरी अटापट्टू ने 39 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 40 रनों की पारी खेली.

ऑरेंज कैप पर अभिषेक का कब्जा

हैदराबाद. अभिषेक शर्मा ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) इतिहास का पांचवां सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर करते हुए 68 गेंदों में नाबाद 135 रन बनाकर ऑरेंज कैप तालिका में शीर्ष पर पहुंच गये है. यह उनका नौवां टी-20 शतक, उन्हें इस सीजन सात पारियों में 323 रन बना लिये. अभिषेक से तीन रन पीछे हाइनरिक क्लासन ऑरेंज कैप टेबल में दूसरे स्थान पर हैं. उन्होंने इस मैच में 13 गेंदों में नाबाद 37 रन बनाए और तीसरे विकेट के लिए अभिषेक के साथ 32 गेंदों में 66 रन की साझेदारी की. तीसरे स्थान पर गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल हैं, जिनके पांच पारियों में 265 रन हैं. उनके बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के विराट कोहली और राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी हैं. इस मामले में शीर्ष दस में इशान किशन (एसआरएच), रजत पाटीदार (आरसीबी), कूपर कॉनॉली, यशस्वी जायसवाल और प्रियांश आर्या शामिल हैं. पर्पल कैप की बात की जाये तो इस पर अभी चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कम्बोज का कब्जा है. वहीं इशान मलिंगा ने टी-20 क्रिकेट में अपना तीसरा 4-विकेट हॉल लिया और इससे वह इस आईपीएल सीजन में सबसे अधिक विकेट लेने वालों की सूची में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए. उनके अब 12 विकेट हैं, जबकि जीटी के प्रसिद्ध कृष्णा के भी 12 विकेट हैं.

अभिषेक का रन आउट और कैच छोड़ना भारी पड़ा : अक्षर

हैदराबाद, 22 अप्रैल आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद से मिली हार से निराश नजर आ रहे दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने कहा कि अभिषेक शर्मा का रन-आउट और कैच छोड़ना हमें भारी पड़ा - अगर हमने उसे पकड़ लिया होता, तो हम उन्हें रोक सकते थे.

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के 68 गेंदों पर 10 चौकों और 10 छक्कों से सजे नाबाद 135 रन की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद ने दिल्ली कैपिटल्स को मंगलवार को 47 से करारी शिकस्त दे दी. अभिषेक को 49 रन पर एक लाइफलाइन मिली जब विकेटकीपर के एल राहुल ने एक आसान रन-आउट का मौका गंवा दिया. उन्हें 87 रन के स्कोर पर नीतीश राणा ने भी बॉउंड्री पर कैच टपकाकर जीवनदान दिया. अक्षर ने मैच के बाद प्रेजेंटेशन में कहा, ''लेकिन हां, अगर कोई इतनी अच्छी बैटिंग करता है, और उनके एग्जीक्यूशन में कोई कमी नहीं है, तो ऐसे परफॉर्मेंस का क्रेडिट मिलना चाहिए.

जेरेमिया के हेलमेट पर लगी गेंद, अस्पताल में भर्ती

एंटीगा की खतरनाक पिच के कारण मैच रद्द

एंटीगा, 22 अप्रैल. वेस्ट इंडीज़ में एक घरेलू मैच को खतरनाक पिच के कारण रद्द कर दिया गया है. यह फैसला तब लिया गया जब बल्लेबाज़ जेरेमिया लुइस के हेलमेट पर गेंद लगी.

लीवार्ड आइलैंड्स के लुइस को संभावित 'कनकशन' (सिर में चोट) के बाद अस्पताल ले जाया गया. यह घटना मैच के तीसरे दिन के पहले सत्र में हुई, जब त्रिनिदाद और टोबैगो तथा वेस्ट इंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स की एक 'लेंथ बॉल' अचानक उछली और लुइस के सिर के किनारे पर जा लगी. बीबीसी स्पोर्ट के अनुसार, लुइस ज़मीन पर गिर पड़े. उन्होंने अपना हेलमेट उतारा और गुस्से में जमीन पर हाथ पटका. इसके बाद उन्होंने अपने हेलमेट को 'शॉर्ट-लेग' पर खड़े फील्डर की दिशा में लात मारी और पवेलियन की ओर चले गए. क्रिकेट वेस्ट इंडीज के एक बयान में कहा गया है कि लुइस की हालत स्थिर है. बयान में आगे कहा गया कि एंटीगा के सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में खेला जा रहा यह मैच इसलिए रद्द कर दिया गया, क्योंकि पिच का बर्ताव 'अप्रत्याशित और असमान' था, जिससे खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई थीं. क्रिकेट वेस्ट इंडीज ने कहा, 'एक सुरक्षित और प्रतिस्पर्धी पिच तैयार करने के लिए सभी आवश्यक संसाधन और विशेषज्ञता का उपयोग किया जाएगा.

> बयान में यह भी जोड़ा गया, 'क्यूरेटर के साथ चर्चा के बाद, यह तय किया गया कि पिच को बिना किसी टीम को अनुचित लाभ दिए सुरक्षित रूप से ठीक नहीं किया जा सकता था. इसलिए, इसे मैच दोबारा शुरू करने के लिए अनुपयुक्त माना गया. इसके परिणामस्वरूप, मैच को 'ड्रॉ' घोषित करते हुए रद्द कर दिया गया.' मैच रद्द होने से पहले, सील्स ने सभी सात विकेट चटकाए थे, जिससे लीवार्ड आइलैंड्स का स्कोर 140 रन पर 7 विकेट हो गया था. यह स्टेडियम, जहाँ नियमित रूप से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेले जाते हैं, 17 मई से इस टूर्नामेंट (वेस्ट इंडीज़ की घरेलू प्रथम श्रेणी प्रतियोगिता) के फाइनल की मेजबानी करने वाला है.

प्रीति, अरुंधति टॉप्स कोर ग्रुप में शामिल

नयी दिल्ली, 22 अप्रैल चार भारतीय मुक्केबाजों प्रीति पवार, प्रिया, अरुंधति चौधरी और सचिन को 2026 एशियाई मुक्केबाजी एलीट चैंपियनशिप में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के कोर ग्रुप में प्रमोट किया गया है, जबकि तीन अन्य को डेवलपमेंट ग्रुप में शामिल किया गया है.

172वीं मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) की बुधवार को हुई बैठक में यह फैसला किया गया. प्रीति (54किग्रा), प्रिया (60किग्रा) और अरुंधति (70किग्रा) ने इस महीने की शुरुआत में मंगोलिया के उलानबटार में हुई कॉन्टिनेंटल मीट में स्वर्ण पद जीता था, जबकि सचिन (60किग्रा) ने रजत पदक हासिल किया. मिशन ओलंपिक सेल ने हाल के नतीजों, विश्व रैंकिंग और प्रदर्शन में हुई प्रगति के विस्तृत मूल्यांकन के आधार पर यह फैसला लिया. प्रीति इस साल के आखिर में होने वाले ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेलों और जापान में एशियाई खेलों, दोनों में हिस्सा लेंगी. प्रीति के साथ जैस्मीन (57किग्रा), प्रिया (60 किग्रा), अरुंधति (70 किग्रा), और सचिन (60 किग्रा) भी होंगे. प्रीति, प्रिया और सचिन एशियाई खेलों में भी हिस्सा ले रहे हैं. बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की चयन नीति के अनुसार, इन मुक्केबाजों ने सीधे क्वालिफिकेशन के आधार पर सीडब्ल्यूजी 2026 और एशियाई खेलों 2026 में जगह बनाई है.

> इसके अलावा, एमओसी ने आज एशियाई चैंपियनशिप में उनके प्रदर्शन के बाद तीन मुक्केबाजों आदित्य (65किग्रा), दीपक (70किग्रा), और हर्ष (90किग्रा) को टॉप्स डेवलपमेंट ग्रुप में शामिल किया. नरेंद्र (90किग्रा) को टारगेट एशियन गेम्स ग्रुप में शामिल किया गया है, जहां 31 साल के इस खिलाड़ी को 2026 के एशियन गेम्स तक मदद मिलेगी. हर्ष और नरेंद्र ने कांस्य पदक जीते, जबकि आदित्य और दीपक इस महीने की शुरुआत में उलानबटार में हुई प्रतियोगिता के क्वार्टरफाइनल तक पहुंचे थे.

मेजबान भारत, बांग्लादेश, मालदीव के ग्रुप में

नयी दिल्ली, 22 अप्रैल बंगलादेश के ढाका में सैफ सचिवालय में हुए ड्रॉ के बाद, भारतीय महिला राष्ट्रीय टीम को सैफ महिला चैंपियनशिप 2026 के ग्रुप बी में बंगलादेश और मालदीव के साथ रखा गया है.

यह टूर्नामेंट 25 मई से 6 जून, 2026 तक गोवा के मडगांव में आयोजित किया जाएगा. ग्रुप ए में नेपाल, श्रीलंका और भूटान शामिल हैं. हर ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमी-फ़ाइनल में जगह बनाएंगी. सैफ महिला चैंपियनशिप 2026 के सभी मैचों का आयोजन पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में किया जाएगा. यह दूसरी बार होगा जब भारत सैफ महिला चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा; इससे पहले 2016 में पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में आयोजित संस्करण में 'ब्लू टाइग्रेस' ने अपना चौथा खिताब जीता था.

प्रीमियर लीग ▶ चेल्सी की शर्मनाक हार, गोल का सूखा जारी

ब्राइटन की जीत से यूरोपीय उम्मीदें मजबूत

लंदन, 22 अप्रैल: ब्राइटन एंड होव एल्बियन ने चेल्सी को 3-0 से हराकर प्रीमियर लीग में बड़ा उलटफेर कर दिया. इस जीत के साथ ब्राइटन ने अंक तालिका में छठा स्थान हासिल कर लिया और यूरोपीय प्रतियोगिताओं में क्वालिफाई करने की अपनी दावेदारी मजबूत कर ली.

दूसरी ओर, चेल्सी के लिए यह हार बेहद शर्मनाक रही, क्योंकि टीम लगातार पांच लीग मैच बिना कोई गोल किए हार चुकी है—ऐसा रिकॉर्ड आखिरी बार 1912 में देखा गया था.

मैच की शुरुआत से ही ब्राइटन ने आक्रामक रुख अपनाया. शुरुआती मिनटों में काओरू मितोमा ने शानदार वॉली लगाई, लेकिन गोलकीपर रॉबर्ट सांचेज़ ने बेहतरीन बचाव किया. हालांकि, तीसरे मिनट में ही ब्राइटन को बढ़त मिल गई जब फेर्डी कादियोग्लू ने कॉर्नर से आई गेंद पर नीचा शॉट लगाकर गोल कर दिया.

पहले हाफ में ब्राइटन का दबदबा जारी रहा. जान पॉल वैन हेके और जॉर्जिनियो रूटर ने कई मौके बनाए, जबकि चेल्सी की ओर से कोई खास चुनौती नहीं दिखी. टीम का एकमात्र प्रयास ट्रेवो चालोबाह का शॉट था, जिसे डिफेंस ने रोक दिया.

> मैच के अंतिम क्षणों में डैनी वेलबेक ने शानदार गोल कर ब्राइटन की जीत पर मुहर लगा दी. यह उनका इस सीजन का 13वां गोल था. सब्स्टीट्यूट खिलाड़ियों के बेहतरीन तालमेल से बना यह गोल मैच का आकर्षण रहा. चेल्सी की ओर से रोमियो लाविया, एलेजांद्रो गार्नाचो और मार्क गुइयू ने प्रयास जरूर किए, लेकिन कोई भी गोल में तब्दील नहीं हो सका.

दूसरे हाफ में भी कहानी नहीं बदली. 56वें मिनट में जैक हिंशेलवुड ने रूटर के पास पर गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया. इसके बाद चेल्सी के समर्थकों में निराशा साफ दिखी और कोच लियाम रोसेनियोर के खिलाफ नाराजगी भी सामने आई. इस हार के बाद चेल्सी की स्थिति और खराब हो गई है.

टीम न सिर्फ गोल करने में नाकाम रही है, बल्कि अब उसके चैंपियंस लीग में जगह बनाने के सपने भी धूमिल होते नजर आ रहे हैं. वहीं, ब्राइटन का आत्मविश्वास चरम पर है और टीम लगातार बेहतर प्रदर्शन के दम पर सीजन को यादगार बनाने की ओर बढ़ रही है.

सिंगापुर ओपन में भारत की दमदार टीम

सिंगापुर. 'बिज़नेस टाइम्स' द्वारा प्रस्तुत सिंगापुर ओपन कल सेंटोसा गोल्फ क्लब के सेरापोंग कोर्स पर 11 भारतीय खिलाड़ियों की शानदार टीम के साथ शुरू होगा. सिंगापुर के इस राष्ट्रीय ओपन का 57वां संस्करण 'द इंटरनेशनल सीरीज' का हिस्सा है और इसमें 20 लाख डॉलर की इनामी राशि रखी गई है. भारतीय टीम जिस चीज़ पर खास नज़र रखेगी, वह यह है कि इस साल का सिंगापुर ओपन इस जुलाई में होने वाले 154वें 'ओपन' टूर्नामेंट के लिए क्वालिफिकेशन का रास्ता खोलेगा. इसमें शीर्ष दो खिलाड़ियों को (जिन्हें पहले से छूट नहीं मिली है) इस खेल के सबसे पुराने 'मेजर' टूर्नामेंट में खेलने का मौका मिलेगा. करनदीप कोचर, जो पिछले कुछ महीनों से ज़बरदस्त फॉर्म में चल रहे हैं, इस हफ्ते के मुख्य आकर्षणों में से एक हैं.